माइक्रोफाइनेंस संस्थाएँ

प्रलिम्सि के लयि:

माइक्रोफाइनेंस संस्थान (MFI), वत्तिीय समावेशन, SHG, सहकारी समतियिाँ, प्राथमकि कृष ऋिण समतियिाँ (PACS), कंपनी अधनियिम, 2013, NBFC-MFI, भारतीय रज़िर्व बैंक (आरबीआई)

मेन्स के लयि:

भारत में वत्तिीय समावेशन, गरीबी उन्मूलन और सतत् आर्थकि वकिास में माइक्रोफाइनेंस संस्थानों का महत्त्व।

स्रोत: द हदिू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वत्तिीय सेवा सचवि ने इस बात पर बल दयिा है कि वत्तिीय समावेशन में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं (MFI) की प्रभावी भूमकिा के बावजूद इन्हें रेकलेस लेंडगि से बचना चाहयि।

नोट:

- कई MFI **अत्यधकि ब्याज दरों (लगभग 24% प्रतविर्ष औसत)** और उच्च प्रसंस्करण शुल्क के कारण जाँच के दायरे में हैं साथ ही उधारकर्त्ताओं की आय और पुनर्भुगतान क्षमताओं का आकलन करने में भी यह कम प्रभावी बने हुए हैं। सा-धन (Sa-Dhan) की एक रपिोर्ट **के अनुसार ब्याज दरों में मामूली कटौती से कम आय वाले परवारों** की पुनर्भुगतान राशि पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

माइक्रोफाइनेंस संस्थाएँ क्या हैं?

- **परचिय:** MFI ऐसी वत्तिीय कंपनयिाँ हैं जो **उन लोगों को छोटे ऋण एवं अन्य वत्तिीय सेवाएँ प्रदान करती हैं** जनिकी बैंकगि सुवधिाओं तक पहुँच नहीं है।
  - माइक्रोफाइनेंस का लक्ष्य **नम्नि आय वाले और बेरोज़गार लोगों को** आत्मनर्भिर बनने में मदद करना है।
  - **यह वत्तिीय समावेशन** के लयि एक शक्तशिाली उपकरण के रूप में कार्य करती हैं तथा हाशयि पर स्थति और **नम्नि आय वर्ग के लोगों** (वशिषेकर महलिाओं) को सामाजकि समानता एवं सशक्तीकरण में मदद करती हैं।
- **नयिामक ढाँचा:**
  - RBI द्वारा **NBFC-MFI ढाँचे (2014) के तहत MFI को वनियिमति कयिा जाता है जसिमें** ग्राहक संरक्षण, उधारकर्त्ता सुरक्षा, गोपनीयता एवं ऋण मूल्य नर्धारण शामलि है।
- **MFI की स्थति:**
  - भारत में माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा **29 राज्यों, 4 केंद्रशासति प्रदेशों और 563 ज़लिों** में 168 **माइक्रोफाइनेंस संस्थान (MFI)** कार्यरत हैं।
  - ये संस्थाएँ **3 करोड़ से अधकि ग्राहकों को सेवा** प्रदान करती हैं।
- **माइक्रोफाइनेंस के अंतर्गत व्यवसाय मॉडल:**
  - **स्वयं सहायता समूह (SHGs):** SHGs 10-20 सदस्यों वाले अनौपचारकि समूह हैं जो **SHG-बैंक लकिजि कार्यक्रम के माध्यम से बैंक ऋण** प्राप्त करने में सामूहकि भूमकिा नभिाते हैं।
  - **MFI: MFI सूक्ष्म ऋण और बचत, बीमा और धनप्रेषण** जैसी अन्य वत्तिीय सेवाएँ प्रदान करते हैं।
    - ऋण आमतौर पर **संयुक्त ऋण समूहों (JLG) के माध्यम से दयि जाते हैं,** जो समान गतविधियिों में शामलि 4-10 व्यक्तयिों के अनौपचारकि समूह होते हैं और यह संयुक्त रूप से ऋण चुकाते हैं।

- **माइक्रोफाइनेंस ऋणदाताओं की श्रेणियाँ:**

//

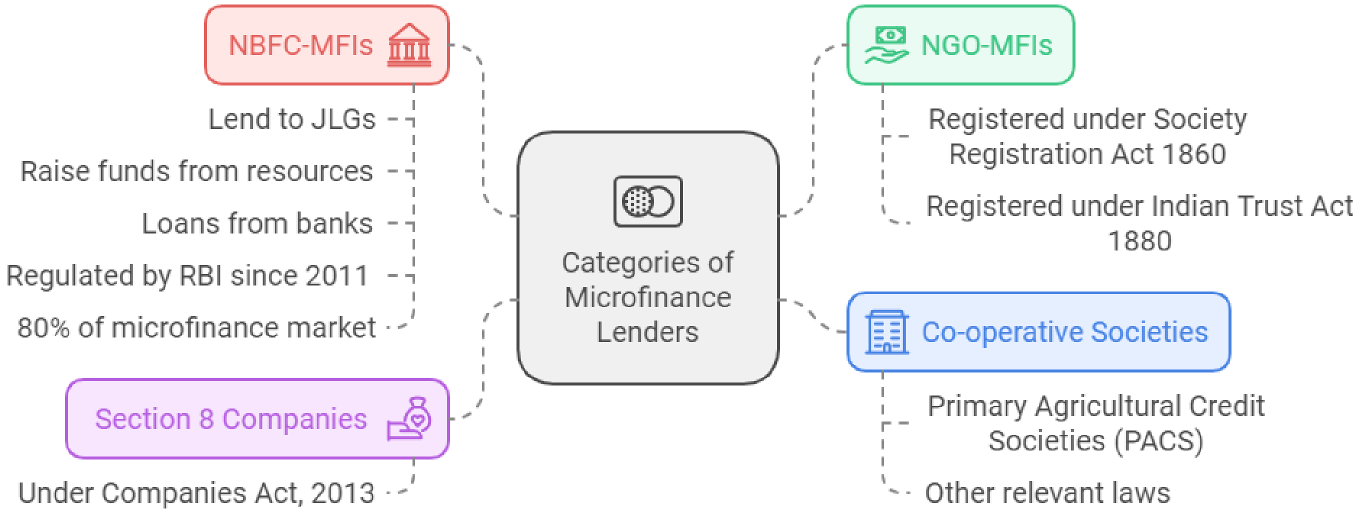

सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI)

परिचय:

- वित्तीय सेवाएँ और छोटे मूल्य के ऋण प्रदान करता है
- लक्ष्य – ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम आय वाले परिवार, छोटे व्यवसाय और उद्यमी
- अधिकतम वार्षिक आय मानदंड – 3 लाख रुपए (संपार्श्विक-छोटे लोन हेतु)

सूक्ष्म वित्त संस्थान क्षेत्र का विकास

- प्रारंभिक काल (वर्ष 1974-1984):
  - महिलाओं के लिये श्री महिला सेवा सहकारी बैंक की स्थापना
  - नाबार्ड ने SHG संपर्क को बढ़ावा दिया
- परिवर्तन अवधि (वर्ष 2002-2006):
  - स्वयं सहायता समूहों के लिये असुरक्षित ऋण मानदंडों को सुरक्षित ऋणों के साथ संरेखित किया गया
  - RBI ने सूक्ष्म वित्त को प्राथमिक क्षेत्र में शामिल किया
- विकास और संकट (वर्ष 2007-2010):
  - निजी इक्विटी निवेश→ सूक्ष्म वित्त संस्थानों का तीव्र विकास
  - माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (MFIN) का गठन
- समेकन और परिपक्वता (वर्ष 2012-2015):
  - मालेगाम समिति (वर्ष 2012) ने विनियामक परिवर्तनों की सिफारिश की
  - NBFC की नवीन श्रेणी - गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-सूक्ष्म वित्त संस्थान (NBFC-MFI)
  - बंधन बैंक (सबसे बड़ा माइक्रोलेंडर) को RBI द्वारा यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस (वर्ष 2014)
  - मुद्रा बैंक का शुभारंभ (वर्ष 2015)

भारत में MFI को RBI द्वारा NBFC-MFI फ्रेमवर्क 2014 के माध्यम से विनियमित किया जाता है।

बिज़नेस मॉडल

- स्वयं सहायता समूह (SHG):
  - अनौपचारिक समूह (10-20 सदस्य) मिलकर बचत करते हैं और ऋण प्राप्त करते हैं
  - SHG-बैंक लिंकेज कार्यक्रम के माध्यम से बैंकों से जोड़ा गया
- सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI):
  - माइक्रो-क्रेडिट और वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना
  - 4-10 सदस्यों वाले संयुक्त ऋण समूहों (JLG) के माध्यम से ऋण

MFI के प्रकार

- NGO-MFI (सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 या भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1880 के तहत)
- सहकारी समितियाँ
- धारा-8 के अधीन कंपनियाँ (कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत)
- NBFC-MFIs (सूक्ष्म वित्त बाज़ार का 80% हिस्सा)

लाभ

- डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन
- आत्मनिर्भरता (उद्यमिता और बेहतर आजीविका)
- स्थिर आय (संपत्ति निर्माण)
- महिला उद्यमिता

MFI की चुनौतियाँ	आगे की राह
उच्च ब्याज दरें	विनियामक निरीक्षण में सुधार करना और ब्याज दर सीमा को बढ़ाना।
ऋण कर्त्ताओं का अति-ऋणग्रस्त होना	ऋण जोखिम मूल्यांकन को सुदृढ़ करना और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना।
बाह्य वित्तपोषण पर निर्भरता	साझेदारी और पूंजी बाज़ार के माध्यम से वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाना।
ऋणकर्त्ताओं में वित्तीय साक्षरता न्यून होना	वित्तीय शिक्षा कार्यक्रमों/अभियानों को बढ़ावा देना

दृष्टि The Vision

माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं (MFI) के समक्ष कौन सी चुनौतियाँ हैं?

- **नियामक कार्रवाई:** RBI ने कुछ **माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (MFI) को अत्यधिक ब्याज दरों** के कारण ऋण जारी करने से प्रतिबंधित कर दिया है जिससे उनकी परिचालन और विकास क्षमता प्रभावित हो रही है।
    - RBI ने MFI को ऋण देने की प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन करने तथा ऋण देने में **सामर्थ्य पर बल देने का निर्देश दिया है।**
- **वित्तीय साक्षरता का अभाव:** कई उधारकर्त्ताओं के पास ऋण की शर्तों को समझने के लिये आवश्यक वित्तीय साक्षरता का अभाव होने से ऋण चूक का जोखिम बढ़ जाता है एवं गरीबी का चक्र बना रहता है।
- **उधारकर्त्ताओं का अति-ऋणग्रस्त होना:** उधारकर्त्ता प्रायः कई लघु वित्त संस्थाओं से ऋण ले लेते हैं, जिसके कारण उन पर अत्यधिक ऋण हो जाता है।
    - RBI के अनुसार मार्च 2024 तक **12% से अधिक माइक्रोफाइनेंस ग्राहकों के पास चार या अधिक सक्रिय ऋण थे,** जो कुछ राज्यों में **18%** तक थे जिससे **चूक का जोखिम बढ़ने के साथ MFI की प्रतिष्ठा** को नुकसान पहुँचता है।
- **बाह्य वित्तपोषण पर निर्भरता:** MFI अक्सर बैंकों और निवेशकों से **बाह्य वित्तपोषण** पर निर्भर रहते हैं, **जिससे आर्थिक मंदी** के दौरान मुश्किलें पैदा होती हैं।

माइक्रोफाइनेंस ऋण से संबंधित RBI दिशानिर्देश (2022)

- 3 लाख रुपए तक की आय वाले **परिवारों के लिये** माइक्रोफाइनेंस ऋण बिना किसी जमानत के उपलब्ध है।
- संस्थाओं के पास लचीले पुनर्भुगतान और घरेलू आय मूल्यांकन के लिये नीतियाँ होनी चाहिये।
- प्रति उधारकर्त्ता ऋणदाता पर लगी सीमा हटाना; पुनर्भुगतान मासिक आय के 50% से अधिक नहीं हो सकता है।
- NBFC-MFI ऋणों का 75% माइक्रोफाइनेंस के रूप में योग्य होना चाहिये (85% से कम)।
- संस्थाओं को आय विसंगतियों एवं घरेलू आय की रिपोर्ट करनी होगी।
- माइक्रोफाइनेंस ऋणों पर कोई पूर्व-भुगतान अर्थदंड नहीं; विलंब शुल्क केवल अतिदेय राशि पर लागू होगा।

माइक्रोफाइनेंस से संबंधित सरकारी योजनाएँ कौन सी हैं?

- [प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)]
- [स्वयं सहायता समूह (SHG) - बैंक लिंकेज कार्यक्रम]
- [राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)]
- [दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना]
- [सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिये ऋण गारंटी कोष (CGTMSE)]

आगे की राह

- MFI को अत्यधिक **ब्याज दरों से बचने** और उधारकर्त्ताओं की **पुनर्भुगतान क्षमताओं का आकलन करने के लिये ज़िम्मेदार उधार प्रथाओं को प्राथमिकता देनी चाहिये, जिससे अति-ऋणग्रस्तता** के जोखिम को कम किया जा सके।
- **उधारकर्त्ताओं के बीच वित्तीय साक्षरता** बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है ताकि वे सूचित निर्णय लेने में सक्षम हो सकें, जिससे **डिफॉल्ट जोखिम कम हो सके।**
- **मालेगाम समिति (2010) की सिफारिशों को** लागू करना चाहिये जैसे ब्याज दरों पर सीमा लगाना, NBFC-MFI के लिये श्रेणी बनाना, अति-ऋणग्रस्तता को रोकने के लिये एकाधिक ऋणों पर नज़र रखना, पारदर्शिता बढ़ाना आदि।
    - शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना करना चाहिये तथा ऋण देने के लिये आचार संहिता तैयार करना चाहिये।
- **RBI** द्वारा निर्धारित **नियामक ढाँचे** का सख्ती से पालन करने से विश्वास बढ़ेगा और इस क्षेत्र की प्रतिष्ठा में सुधार होगा।
- इसके अतिरिक्त **वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाने से** बाहरी पूंजी पर निर्भरता कम हो सकती है जबकि मज़बूत **समर्थन प्रणालियों से** उधारकर्त्ताओं को उनके ऋणों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायता मिल सकती है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न

प्रश्न: भारत में सूक्ष्म वित्त संस्थानों के समक्ष कौन सी चुनौतियाँ हैं और इनका समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

दृष्टि The Vision

माइक्रोफाइनेंस कम आय वर्ग के लोगों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना है। इसमें उपभोक्ता और स्वरोज़गार करने वाले दोनों शामिल हैं। माइक्रोफाइनेंस के तहत दी जाने वाली सेवा/सेवाएँ हैं (2011)

1. **ऋण सुविधाएँ**
2. बचत सुविधाएँ
3. बीमा सुविधाएँ
4. फंड ट्रांसफर सुविधाएँ

सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

?????:

प्रश्न: महिला स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म वित्त प्रदान करने से लैंगिक असमानता, निर्धनता एवं कुपोषण के दुष्चक्र को तोड़ने में किस प्रकार सहायता मिल सकती है? उदाहरण सहित समझाइये। (2021)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/microfinance-institutions-4